## तेलंगाना स्टेट फॉरेस्ट अकेडमी, हैदराबाद के रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर प्रशिक्षणार्थियों का आफ़री भ्रमण (दिनांक 26/3/19)

दिनांक 26/3/19 को तेलंगाना स्टेट फॉरेस्ट अकेडमी , हैदराबाद के 41 फॉरेस्ट ऑफिसर प्रशिक्षणार्थियों ने डिप्टी-डायरेक्टर श्री एस. माधवा राव के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर का भ्रमण किया। भ्रमण के प्रारम्भ में संस्थान निदेशक श्री मानाराम बालोच, भा.व.से ने भ्रमणकारी दल का स्वागत करते हुए बताया कि यह संस्थान शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिए वानिकी अनुसंधान का कार्य करता है तथा यहाँ राजस्थान, गुजरात, दादरा व नागर हवेली, दमन एवं दीव की अनुसंधान आवश्यकताओं के लिए कार्य होता है । उन्होंने रेगिस्तानी क्षेत्रों का जिक्र करते हुए बताया कि इस क्षेत्र में अच्छे पेड़ पौधे ( flora) एवं जीव जन्तु (fauna) है । उन्होंने बताया कि रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर विभाग का आधार स्तम्भ (back-bone) है तथा विभिन्न तरह के कार्य (इंजीनीयरिंग) इत्यादि करते हुए रेंज ऑफिसर के कार्य चुनौती-पूर्ण होते है ।

विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने पावर-पॉइंट प्रस्तुतीकरण द्वारा संस्थान के अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। परस्पर संवाद के माध्यम से प्रशिक्षणार्थी रेंज ऑफिसरों की जिज्ञासा का समाधान भी किया गया । संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने मरुस्थलीय वनस्पति, मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया तथा इसको रोकने के सतही वनस्पति जैसे उपाय,जल-प्लावन, लाइव विंड-ब्रेक (Wind-Break), यू. एन. सी. सी. डी. (UNCCD) कार्यक्रम इत्यादि के बारे में जानकारी दी। डॉ. महेश्वर हेगड़े ने केजुरीना के बारे में जानकारी दी।

इसके बाद भ्रमणकारी दल ने संस्थान की आण्विक जीव-विज्ञान प्रयोगशाला, उत्तक संवर्धन, वन संरक्षण, आई. सी. पी. एम. एस . (ICPMS) प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर अनुसंधान कार्यों की जानकारी ली। आण्विक जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में श्री आतिफ इकबाल , उत्तक संवर्धन में डॉ. सरिता आर्या, वन संरक्षण में डॉ . संगीता सिंह एवं आई. सी. पी. एम. एस . (ICPMS) में श्री एन. के. लिम्बा ने शोध कार्यों से संबंधित जानकारी भ्रमणकारी दल को दी ।

ततपश्चात भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। यहाँ श्री उमाराम चौधरी ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन , टिब्बा स्थिरीकरण , जल-प्लावित भूमि का पुनर्वासन , नमक प्रभावित भूमि का पुनर्वासन, कृषि वानिकी इत्यादि के बारे में जानकारी दी । यहाँ पर श्री चौधरी ने वृक्षों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ की जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बतायी । श्री

चौधरी ने पोलीथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की । भ्रमणकारी दल को श्री चौधरी द्वारा संस्थान के परिसर स्थित वृक्ष प्रजातियों की भी जानकारी दी गयी ।

भ्रमणकारी दल को संस्थान का प्रचार-प्रसार साहित्य भी उपलब्ध कराया गया । भ्रमण कार्यक्रम में श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीशियन एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

SILVIPASTORAL SYSTEMS FOR DEGRADED SHALLOW SANDY AND SALINE
SOILS IN ARID ZONE
AFFORESTATION TECHNIQUES FOR ARID
SALT AFFECTED SOIL FOR ENHANCED PRODUCTIVITY

SILVIPASTORAL SYSTEMS FOR DEGRADED SHALLOW SANDY AND
SOILS IN ARID ZONE ON VARIOUS GRASS SOWING MODES